14. निश्चयवाद की ~~तीन~~ अवधारणा की तीन विशेषताओं का वर्णन करें ?

30:- निश्चयवाद की अवधारणा की विशेषताएँ निम्न हैं।

1) इस अवधारणा के अनुसार मनुष्य के द्वारा किए गए क्रियाकलाप प्रकृति द्वारा निर्धारित तथा नियंत्रित होते हैं।

2) प्रकृति के सीमाओ के अंदर मनुष्य रहता है।

3) मनुष्य के विकास में निम्न प्रौद्योगिकी का प्रयोग होता है। और मनुष्य अपनी आदिम अवस्था में रहता है।

4) आज भी आदिवासी एवं जंगलो में प्रकृति प्रदत्त चीजो पर निर्भर हैं।

Teacher's Signature.....

Scanned with CamScanner

Date
Page No.

. नव - निश्चयवाद की कोई तीन विशेषताएँ ?
- इस विचारधारा के जनक ग्रिफीथ टेलर हैं।
. यह विचारधारा पर्यावरणीय निश्चयवाद और संभावनावाद के बीच के मार्ग को प्रस्तुत करती है।
. यह पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना समस्याओं को सुलझाने पर बल देती है।
. प्रकृति पर विजय पाने के लिए प्रकृति के ही नियमों का पालन करना एवं उनको विनाश से बचाना होगा।
. पर्यावरणीय निश्चयवाद के अनुसार मनुष्य न तो प्रकृति पर पुरी तरह निर्भर हो कर रह सकता है और न ही प्रकृति से स्वतंत्र रह कर जी सकता है।

Scanned with CamScanner

6. प्रौद्योगिकी ~~मनु~~ मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को किस प्रकार कम करती है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

Ans:- प्रौद्योगिकी के विकास से मानवीय क्रिया-कलाप पर भौतिक तत्वों का प्रभाव कम होने लगा और प्राकृतिक शक्तियों पर मानव का प्रभाव बढ़ने लगा, मानव सभ्यता के प्रारंभिक काल में प्रौद्योगिकी निम्न स्तर पर विकसित थी और मानवीय क्रिया-कलापों पर प्राकृतिक पर्यावरण के तत्वों का प्रभाव अधिक था, प्राकृतिक शक्तियाँ मानवीय क्रियाकलापों का मार्गदर्शन करती थी, मानव पूर्णतया प्राकृतिक पर्यावरण की शक्तियों द्वारा नियंत्रित था।

. मानव भूगोल के दो क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए।

सारणी 1.1 : मानव भूगोल की वृहत् अवस्थाएँ और प्रणोत

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
उपनिवेश युग	अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यी और व्यापारिक रुचियों ने नए क्षेत्रों में खोजों व अन्वेषणों अन्वेषणों को प्रोत्साहित किया। क्षेत्र का विश्वज्ञानकोषीय विवरण भूगोलवेत्ताओं द्वारा वर्णन का महत्त्वपूर्ण पक्ष बना।
उपनिवेश युग	प्रादेशिक विश्लेषण	प्रदेश के सभी पक्षों के विस्तृत वर्णन किए गए। मत यह था कि सभी प्रदेश पूर्ण अर्थात् पृथ्वी के भाग हैं, अतः इन भागों की पूरी समझ पृथ्वी को पूर्ण रूप से समझने में सहायता करेगी।
अंतर-युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक	क्षेत्रीय विभेदन	एक प्रदेश अन्य प्रदेशों से किस प्रकार और क्यों भिन्न है, यह समझने के लिए तथा किसी प्रदेश की विलक्षणता की पहचान करने पर बल दिया जाता था।
1950 के दशक के अंत से 1960 के दशक के अंत तक	स्थानिक संगठन	कंप्यूटर और परिष्कृत सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग के लिए विशिष्ट। मानचित्र और मानवीय परिघटनाओं के विश्लेषण में प्रायः, भौतिकी के नियमों का अनुप्रयोग किया जाता था। इस प्रावस्था का मुख्य उद्देश्य विभिन्न मानवीय क्रियाओं के मानचित्र योग्य प्रतिरूपों की पहचान करना था।
1970 का दशक	मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय।	मात्रात्मक क्रांति से उत्पन्न असंतुष्टि और अमानवीय रूप से भूगोल के अध्ययन के चलते मानव भूगोल में 1970 के दशक में तीन नई विचारधाराओं का जन्म हुआ। इन विचारधाराओं के अभ्युदय से मानव भूगोल सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ के प्रति अधिक प्रासंगिक बना।
1990 का दशक	भूगोल में उत्तर-आधुनिकवाद	वृहत् सामान्यीकरण तथा मानवीय दशाओं की व्याख्या करने वाले वैश्विक सिद्धांतों की प्रयोज्यता पर प्रश्न उठने लगे। अपने-आप में प्रत्येक स्थानीय संदर्भ की समझ के महत्त्व पर जोर दिया गया।

REDMI NOTE 7 PRO
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner